कुछ दिन रह ले मेहंदीपुर में छिक छिक कै लाडडू खाले

कुछ दिन रह ले मेहंदीपुर में,
छिक छिक कै लाडडू खाले,
तनै ले जा हरियाणे आले।bd।

सब तै ज्यादा भगत तेरे हो,
हरियाणे मै बालाजी,
देशी घी का बना चुरमा,
के खाने मै बालाजी,
तेरे बिना जी लागै कोना,
सुण ओ जग के रखवाले,
तनै ले जा हरियाणे आले।bd।

घर घर मै तेरी ज्योत जगै है,
घर घर धरे लंगोट तेरे,
सब तै ज्यादा हरियाणे के,
भगत लगावै रोट तेरे,
छठे महिने सुण मेरे बाबा,
तेरा चालिसा ये ठाले,
तनै ले जा हरियाणे आले।bd।

मेहदी पुर मै कयो जम रया,
या सारी दुनिया केरी है,
जिददी मानस हरियाणे का,
ना कोई हेरा फेरी सै,
सब कहाये के ठाठ मिलेगे,
बैठ राम का गुण गाले,
तनै ले जा हरियाणे आले।bd।

गुरु मुरारी के चेले कै,
तेरी कसुति खटक लगी,
राजपाल के घर पै हो बाबा,
ज्योत बालाजी अंखड जगी,
अशोक भगत पै नियम करा ले,
राजी गुहणे आले,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तनै ले जा हरियाणे आले।bd।

कुछ दिन रह ले मेहंदीपुर में,
छिक छिक कै लाड्डू खाले,
तनै ले जा हरियाणे आले।bd।

स्वर – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – निटू सहरावत।
8826254645

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com